पाठ्यक्रम (संगीत गायन) कक्षा 10वीं

(सैद्धांतिक)

(1) निम्नलिखित का अर्थ स्पष्ट करें :–

ताल, लय, खाली, ताली, मात्रा, विभाग, आवृति।

(2) तानपुरे का सचित्र वर्णन।

(3) पंडित विष्णु नारायण भातखंडे का जीवनवृत्त एवं संगीत के क्षेत्र में योगदान।

(4) तीनताल का ठेका दुगुन लयकारी एवं सम्पूर्ण ताल परिचय सहित।

(5) राग खमाज का सम्पूर्ण परिचय तथा द्रुत ख्याल की स्वरलिपि।

पाठ्यक्रम (संगीत गायन) कक्षा 10वीं

(क्रियात्मक)

क्रम संख्या	विषय सामग्री	अंक विभाजन
1	राग खमाज द्रुत ख्याल का गायन दो तानों सहित।	07
2	किसी ताल में निबद्ध एक भक्तिगीत/प्रातः कालीन प्रार्थना का गायन।	05
3	एक पारम्परिक हिमाचली लोकगीत का गायन।	05
4	तीनताल को ठाह तथा दुगुन लयकारी सहित हाथ पर प्रदर्शित करना।	05
5	पाठ्यक्रम पर आधारित लघु–प्रश्नावली के माध्यम द्वारा बौद्धिक परीक्षण।	03

पाठ्यक्रम (संगीत गायन) कक्षा 10वीं

(सैद्धांतिक)

(1) निम्नलिखित का अर्थ स्पष्ट करें :–

पूर्वांग, उतरांग, आश्रयराग, अल्पत्व, बहुत्व, अविर्भाव, तिरोभाव।

(2) वाद्य वर्गीकरण का विस्तृत वर्णन।

(3) स्वामी हरिदास का जीवनवृत्त एवं संगीत के क्षेत्र में योगदान।

(4) राग काफी का सम्पूर्ण परिचय सहित द्रुत ख्याल की स्वरलिपि।

(5) झपताल का ठेका दुगुन लयकारी एवं सम्पूर्ण ताल परिचय सहित ।

पाठ्यक्रम (संगीत गायन) कक्षा 10वीं

(क्रियात्मक)

क्रम संख्या	विषय सामग्री	अंक विभाजन
1	राग काफी द्रुत ख्याल का गायन दो तानों सहित।	07
2	राष्ट्रीय गीत तथा राष्ट्रीय गान का गायन।	05
3	एक पारम्परिक हिमाचली लोकगीत का गायन।	05
4	झपताल को को ठाह तथा दुगुन लयकारी सहित हाथ पर प्रदर्शित करना।	05
5	पाठ्यक्रम पर आधारित लघु–प्रश्नावली के माध्यम द्वारा बौद्धिक परीक्षण।	03

Himachal Pradesh Board of School Education
Dharmsala (Kangra)-176215

पाठ्यक्रम (संगीत वादन) कक्षा 10वीं - 2023-24

(सैद्धांतिक)

कुल समय अवधि: 3 घण्टे। कुल अंक:30

(1) निम्नलिखित का अर्थ स्पष्ट करें :-

ताल, लय, खाली, ताली, मात्रा, विभाग, आवृति, पूर्वांग, उत्तरांग, अल्पत्व, बहुत्व, आलाप, जोड़ालाप, गत, मींड़, झाला।

(2) चयनित वाद्ययंत्र की बनावट तथा अंगों का सचित्र वर्णन।

(3) पंडित विष्णु नारायण भातखंडे तथा स्वामी हरिदास का जीवन-वृत्त एवं संगीत के क्षेत्र में योगदान।

(4) राग काफी तथा राग खमाज का सम्पूर्ण परिचय तथा रज़ाखानी-गत की स्वरलिपि।

(5) वाद्य वर्गीकरण का विस्तृत वर्णन।

(6) तीनताल ताल तथा झपताल का ठेका दुगुन लयकारी तथा सम्पूर्ण ताल परिचय सहित।

पाठ्यक्रम (संगीत वादन) कक्षा 10वीं

(क्रियात्मक)

कुल समय अवधि: 15-20 मिनट कुल अंक:50

क्रम संख्या	विषय सामग्री	अंक विभाजन
1	अपने पाठ्यक्रम के किसी राग में रज़ाखानी-गत का वादन दो तोड़ों सहित।	14
2	किसी ताल में निबद्ध एक भक्तिगीत / प्रातः कालीन प्रार्थना का वादन / राष्ट्रीय गीत / राष्ट्रीय गान में से किसी एक का वादन ।	10
3	एक पारम्परिक हिमाचली लोकगीत की धुन का वादन ।	10
4	तीनताल को को ठाह तथा दुगुन लयकारी सहित हाथ पर प्रदर्शित करना।	10
5	पाठ्यक्रम पर आधारित लघु-प्रश्नावली के माध्यम द्वारा बौद्धिक परीक्षण।	06